Our Minister is widely travelled man, therefore he must know better, I think.

Shrimati Renuka Ray: Item (g) of the statement says:

"The proposal of establishing an Indian Institute of Packing and Packaging by the Government for conducting intensive research on the changing patterns of packag-ig and packing abroad was welcomed by the Seminar".

The Government of India are also supposed to be doing something about it. I would like to know when that proposal is going to be implemented, and whether any steps have been taken.

Shri Manubhai Shah: Yes, Sir. A Central National Institute of Packaging is being established at Madras, and the Swiss Government and others are extending to us the necessary technical and financial co-operation.

भारतीय क्षेत्र में होकर पूर्वी तथा पश्चिमी पाकिस्तान को रेल द्वारा जोड़ना

\+

*270. { श्री प्रकाशवीर शास्त्री : श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : श्री यशपाल सिंह :

क्या रेलवे मंत्री पूर्वी तथा पश्चिमी पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र में हो कर रेल द्वारा जोड़ने के सम्बन्ध में 10 दिसम्बर, 1963 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1369 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि इस समय यह मामला किस स्थिति पर है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : 10-12-1963 को अतारांकित प्रश्न 1369 के उत्तर में जो स्थिति बतायी गयी थी उसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं यह जानना चाहता हूं कि ऐसे कौन से कारण हैं कि अब तक इतने लम्बे अरसे से यह प्रश्न विचाराधीन है और इस पर अभी तक निर्णय नहीं हो सका ?

डा० राम सुभग सिंह : विचाराधीन इसलिए है कि राष्ट्रीय हित की सारी बातें ऐसे प्रश्नों को हल करने के सम्बन्ध में देखनी पड़ती हैं। इसलिए यह समझा गया है कि अभी इसको यों ही रखा जाए।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : पीछे पहले रेल मंत्री श्री जगजीवन राम जी ने रेलवे बजट पर एक बार भाषण देते हुए, सदन की इच्छा को देखते हुए, यह स्वीकार किया था कि पाकिस्तान के साथ इस बात को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाएगा कि पाकिस्तान की रेल भारत के बीच से होती हुई जाए। उन्होंने इस बारे में सदन को आश्वासन दिया था। अब पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के जो सम्बन्ध हैं और जो पाकिस्तान के गुप्तचर देश में फैले हुए हैं इन सब बातों को देखते हुए इस चीज को क्यों समाप्त नहीं कर दिया जाता और इसको अभी क्यों रखा हुआ है ?

डा० राम सुभग सिंह : प्रश्न के रूप में इसे उठाया गया है, लेकिन इसे बढ़ाने की बात नहीं है, और जो आश्वासन जगजीवन राम जी ने दिया था उसको हम लोग मानेंगे।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरा प्रश्न स्पष्ट था। मेरा प्रश्न यह था कि जब एक रेल मंत्री ने इस बात का आश्वासन दिया हुआ है कि जल्दी ही हम इस पर अन्तिम निर्णय लेंगे और यथासम्भव शीघ्र इसको समाप्त कर देंगे, तो फिर इस पर अभी तक निर्णय क्यों नहीं लिया गया ?

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं कि यह मैटर आफ पालिसी है। सवाल के जवाब में

इसे जल्दी नहीं बतला सकते। लेकिन वह कहते हैं कि श्री जगजीवन राम जी ने जो आश्वासन दिया है उस पर अमल किया जाएगा।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : हम सब इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि किसान अपने खेत के बीच में से किसी को रास्ता नहीं देता। पाकिस्तान जिस दिन से बना है उस दिन से उसका व्यवहार भारत के साथ अच्छा नहीं रहा है। इसको देखते हुए क्यों भारत की छाती पर से रेल ले जाकर उसके दोनों टुकड़ों को मिलाने की बात पर विचार किया जा रहा है?

डा० राम सुभग सिंह : ऐसा कोई सुझाव नहीं है।

श्री यशपाल सिंह : पाकिस्तान के निर्माण के बाद जब तक हमारी गाड़ी अमृतसर तक जाती थीं तब इतनी जासूसी नहीं होती थी, और अब हमारी गाड़ियां लाहौर तक जाने लगी हैं तो उसके बाद से जो ज्यादा जासूसी शुरू हो गयी है, उसके बारे में हम क्या इन्तिजाम कर रहे हैं?

डा० राम सुभग सिंह : उसके बारे में पता लगाया जाएगा।

Shri S. M. Banerjee: May I know whether it is a fact that acceptance of this particular demand to have a rail link through India connecting East and West Pakistan will be accepting the demand for a corridor made by the late Mr. Jinnah; and if so, may I know why Government has taken so long to take a final decision and tell them "No"?

Shri S. K. Patil: It is a larger question of policy and as rightly said by my colleague, it cannot be discussed in question and answer. I can say that the Government knows very well as to what is going on and what is practical to do. It does not conflict with the sentiments that are being expressed.

Shri Basumatari: Just now a reference was made to Shri Jagjivan Ram's Statement. May I know what was the assurance? Whether it will be expedited or put an end to?

Mr. Speaker: He can look into the debates.

Shrimati Renu Chakravartty: In the eastern sector, the State of Tripura is completely encircled by the state of Pakistan. May I know whether in view of this, when we discuss such measures we will ask reciprocally for facilitating our trade and travel with such places?

Shri S. K. Patil: In view of the situation that very soon there are going to be talks between our Prime Minister and the President of Pakistan, it would not be wise to discuss this question any more.

Shri S. C. Samanta: Is it not a fact that a good many suggestions for and against this proposal came to the Government. May I know whether they are being considered or will be considered afterwards?

Shri S. K. Patil: They have been considered. I do not think there is any difference of opinion between Government and the hon. Members and I am merely saying that what is to be said and at what time is a matter of policy which should be left to Government.

Shri Hem Barua: This corridor through India....

Mr. Speaker: Why should hon. Members put an interpretation which should be harmful to the country. Nobody has said about the corridor.

Shri Hem Barua: This link through India might facilitate communication

between East Pakistan and West Pakistan and at the same time might facilitate political intrusion into our country. May I know whether Government have taken this aspect of the problem of possible political intrusion into our country into consideration and whether this particular aspect will be discussed at the forthcoming meeting of the Prime Ministers?

Shri S. K. Patil: This is the most important aspect. How does the hon. Member expect that Government might have lost sight of it.

Shri Hem Barua: It has not been replied to, Sir.

Mr. Speaker: He should have no apprehension. Government is aware of this.

श्री भानु प्रकाश सिंह : इस विषय में अन्तिम निर्णय लेने में क्या पाकिस्तान की शर्तें कुछ बीच में रुकावट बन कर आती हैं ?

श्री स० का० पाटिल : उस में कोई ऐसी चीज नहीं है। बातचीत वगैरह अभी चल रही है और मौका आने पर रिप्लाई दे दिया जायेगा।

श्री भानु प्रकाश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नहीं मिला।

अध्यक्ष महोदय : फिर किसी वक्त सही।

Shrimati Renu Chakravartty: I want to ask him one question. In the railway link between East Pakistan and West Bengal cannot we put better carriages? Those that are already there are disgraceful.

Dr. Ram Subhag Singh: Actually our links betwen Bongaon and Benupol and between Ranaghat and Darsana are constantly being improved and if there is going to be any suggestion offered by the hon. Member we shall examine them.

1120 (ai) LSD—2.

Expansion of Bhilai Steel Plant

\+

*271. **Shri Bishanchander Seth:**
Shri Rameshwar Tantia
Shri B. P. Yadava:
Shri Dhaon:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Yashpal Singh:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri B. N. Kureel:
Shri D. J. Naik:
Shri Gulshan:
Shri Vishram Prasad:

Will the Minister of **Steel and Mines** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of India in collaboration with the Government of U.S.S.R. are undertaking an expansion of the Bhilai Steel Plant; and

(b) if so, the broad features thereof?

The Minister of Steel and Mines (Shri N Sanjiva Reddy): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-3168/64].

श्री बिशनचन्द्र सेठ : क्या मैं यह जान सकता हूं कि यह जो भिलाई स्टील प्लांट का एक्सपैंशन किया जा रहा है तो उस से कितनी उत्पादन की मात्रा बढ़ेगी और उस में कितना एनवैस्टमेंट होगा ?

Shri Sanjiva Reddy: It is proposed to expand it to 2·5 million tonnes under the Third Plan. The expansion cost of it will be Rs. 1,770 million.

श्री बिशनचन्द्र सेठ : यह गवर्नमेंट की तरफ़ से बनेगा या यह प्राइवेट सैक्टर में में बनाया जायेगा ?

Shri N. Sanjiva Reddy: It has nothing to do with the private sector. It is a public sector concern.

श्री यशपाल सिंह : इसी आदरणीय सदन में माननीय मंत्री जी ने यह बतलाया